

जबलपुर, सोमवार 3 अगस्त 2026

login : www.haribhoomi.com

सत्येन्द्र सूर्यवंशी को पतंजलि किसान सेवा समिति का जिला प्रभारी किया नियुक्त



छिन्दवाड़ा। भारत स्वामिमान ट्रस्ट की बैठक का आयोजन परासिया रोड स्थित सांसद कार्यालय में किया गया। इस बैठक के दौरान भारत स्वामिमान ट्रस्ट के संरक्षक सांसद बंटी विवेक साहू की अनुशंसा एवं भारत स्वामिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी जगेन्द्र अल्डक , युवा भारत के प्रभारी नरेन्द्र माहारे एवं जिला योग समिति के प्रभारी शशि तिवारी के सुझाव पर सत्येन्द्र सूर्यवंशी को पतंजलि किसान सेवा समिति का जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। बैठक के दौरान आचार्य बालकृष्ण जी की जयंती के अवसर पर 4 अगस्त को सुबह 8 बजे भरतादेव में जड़ी बूटी दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक को भारत स्वामिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी जगेन्द्र अल्डक, युवा भारत के प्रभारी नरेन्द्र माहारे एवं जिला योग समिति के प्रभारी शशि तिवारी ने संबोधित किया। बैठक में प्रमुख रूप से पतंजलि के डॉ. विवेक विश्वकर्मा, नरेन्द्र सिंह वर्मा, रंजीत माहारे, विरेन्द्र फरकारे, सज्जन सिंह शुक्ला, उज्ज्वल सूर्यवंशी, नितिन मरकाम सहित भारत स्वामिमान ट्रस्ट के अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

जिले ने अभी तक 499.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 499.3 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 598.4 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 02 अगस्त 2026 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 2.3 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक मू-अभिलेख ने बताया कि 02 अगस्त 2026 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान जिले की तहसील जुनवारदेव में 0.4, मोहखेड़ में 5.3, अमरवाड़ा में 4.2, चौराई में 05, बिडुआ में 3.2, जुन्नारदेव में 01, चांद में 4.4 और उमरेठ में 2.8 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में एक जून से अभी तक तहसील छिन्दवाड़ा में 320.2, मोहखेड़ में 376.6, तामिया में 502, अमरवाड़ा में 528.8, चौराई में 590.6, हरई में 546.5, बिडुआ 432.1, परासिया में 366.1, जुन्नारदेव में 475.2, चांद में 639.7 और उमरेठ में 565.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

सर्पदंश जनजागरुकता अभियान के तहत बैठक आयोजित, ग्रामीणों को किया गया जागरुक

छिन्दवाड़ा। म.प्र. जन अभियान परिषद के तत्वावधान में सर्पदंश से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों एवं जनजागरुकता के उद्देश्य से जिले के विकासखंड जुन्नारदेव की ग्राम पंचायत टेकदाढ़ना के ग्राम दितलमाटा में आज सर्पदंश जनजागरुकता अभियान के अंतर्गत बैठक आयोजित की गई। यह बैठक कलेक्टर हरुरेद नारायन के समन्वय, जिला समन्वयक अखिलेश जैन, जनपद पंचायत जुन्नारदेव की सईऔ सुश्री रश्मि चौहान तथा विकासखंड समन्वयक संजय बामने की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुई। कार्यक्रम में म.प्र. जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा के जिला समन्वयक श्री अखिलेश कुमार जैन एवं विकासखंड समन्वयक संजय बामने के सतत मार्गदर्शन में नवाचरण योजना अंतर्गत कारररत दृष्टि सामाजिक विकास एवं कल्याण संस्था, कन्हान वनग्राम के अध्यक्ष बुधेश राजबैठे के नेतृत्व में ग्रामीणों को सर्पदंश से बचाव, प्राथमिक उपचार तथा आवश्यक सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक श्री बामने ने बरसात के मौसम में विशेष सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा कि जहां-जहां पानी ठहरा हुआ हो, ऐसे स्थानों से दूरी बनाए रखें, ताकि सर्पदंश जैसी दुर्घटनाओं से बचा जा सके। कार्यक्रम में अर्जुन कायदा, सुभाष कायदा, रामकिशोर कायदा, बुरा कायदा, मितिन कायदा, महेश बैठा, शेखलाल कायदा, नरथूलाल कायदा, बनसलाल दर्शना, पंतलाल भोसल, जयसिंग कायदा, जितेंद्र कायदा, रायसिंग कायदा, नंजु कायदा सहित बड़ी संख्या में ग्रामिणजन उपस्थित थे।

62 घरों में किया गया डेंगू के लार्वा को सफ, 4 घरों में पाये गये एडीज मच्छर के लार्वा को कारया गया नष्ट



छिन्दवाड़ा। डेंगू की रोकथाम व नियंत्रण के लिये शहरी क्षेत्र छिंदवाड़ा के वार्ड क्रमांक- 31 छोट्टी माता मंदिर वार्ड में प्रत्येक रविवार १10 मिनिट डेंगू पर वारर अभियान के अंतर्गत सामुदायिक सहभागिता के लिए वार्ड 31 के पार्श्व श्री टिकू राय द्वारा वार्डवासियों को घर- घर जाकर डेंगू रोकथाम के लिए एडीज मच्छर के प्रजनन स्थल को नष्ट करने व मच्छर से स्वयं के बचाव की सलाह देखा दी गई। साथ ही नालरेंकों को अपने घर व आसपास जल संकलन स्थलों की निगरांति जांच एवं सफाई के लिये प्रेरित किया गया। पार्श्व की उपस्थिति में वार्ड में स्वास्थ्य विभाग के 03 दलों द्वारा 62 घरों में एडीज मच्छर के लार्वा का सर्वे किया गया। कुल 04 घरों में पाये गये एडीज मच्छर के लार्वा को लालाकनक्ष दवा डालकर नष्ट करया गया। सीएमएचओ डॉ.नरेश गोन्नाडे द्वारा जनसमुदाय से अपील की गई है की अपने घर के सभी पानी के कंटेनर, कुलर, फ्रिज, टांके टंकिया, टायर को प्रति सप्ताह जांच ले की एडीज मच्छर के लार्वा तो नहीं पनप रहे व खाली कर सफाई कर दें। पानी के बड़े कंटेनर जिनकी सफाई व ढांकना संभव न होे तो उनमें मीठा तेल प्रति सप्ताह डालें। मच्छरों के काटने से स्वयं बचाव करें, पूरे शरीर ढकने वाले कपड़े पहने, दिन के समय बच्चों व चुड़ैलों को मच्छरदांनी के अंदर स्थानी की सलाह दी जाये, मॉकटो कॉइल का उपयोग करें, शाम के समय नीम की पतियों का धुआं करें। तेज बुखार, आंखों के पीछे दर्द, शरीर पर चकते, मांसपेशियों में दर्द, जोड़ों में दर्द, नाक व मसूड़ों से रक्तस्राव होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क कर डेंगू की जिला चिकित्सालय/छिंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज में डेंगू एलिसा टेस्ट निःशुल्क कराए। इस प्रकार जिले में डेंगू के संचरण के प्रसार को समाप्त/कम करने में सहयोग करें।

पांडुर्णा | सौसर | चौरई | बिडुआ | परासिया | जुन्नारदैव | अमरवाड़ा | हरई

मनरेगा के कथित फर्जीवाड़े की फाइलें खुलेंगी, जमुनाढोंगा के 13 लाख के वी-फॉल पर गंभीर सवाल

मुख्यमंत्री के जन विश्वास अभियान से तामिया में मची हलचल

हरिभूमि न्यूज़ ►► तामिया, बाबा ठाकुर

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान की शुरुआत 7 अगस्त से होने जा रही है। छिंदवाड़ा में आयोजित जिला स्तरीय समाधान कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के शामिल होने और सीएम हेमल्लाइन की शिकायतों के शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद करने की खबर ने जिलेभर में अपनी समस्याएं लेकर बैठे लोगों में उम्मीद जगाई है। लेकिन इसी के साथ उन सरकारी दफ्तरों में भी हलचल बढ़ गई है, जहां लंबे समय से शिकायतों के निराकरण को लेकर सवाल उठते रहे हैं। तामिया जनपद पंचायत भी इन दिनों इसी वजह से चर्चा में है। मनरेगा और पंचायतों के निर्माण कार्यों में कथित अनियमितताओं, फर्जी मूल्यांकन, गलत एस्टीमेट, सामग्री के बिलों और तकनीकी स्वीकृतियों को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा लगातार सवाल उठाए जाने का दावा किया जा रहा है। अब बताया जा रहा है कि कुछ जनपद सदस्य इन शिकायतों को मुख्यमंत्री के सामने रखने की तैयारी में हैं।

यदि ऐसा हुआ तो तामिया जनपद पंचायत के मनरेगा कार्यों की फाइलें खुल सकती हैं और उन अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ सकती है, जिन पर निर्माण कार्यों को तकनीकी स्वीकृति और मूल्यांकन देने की जिम्मेदारी रही है। मुरम को काली मिट्टी बताकर भुगतान का आरोप। तामिया क्षेत्र में मनरेगा के तहत कराए गए विभिन्न निर्माण कार्यों को लेकर सबसे गंभीर आरोप सामग्री और मूल्यांकन से संबंधित हैं।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि कुछ कार्यों में वास्तविक रूप से उपयोग की गई सामग्री और सरकारी रिपोर्ट में दर्ज सामग्री के बीच अंतर है। आरोप लगाया जा रहा है कि कहीं मुरम को काली मिट्टी दर्शाकर भुगतान कराया गया तो कहीं निर्माण की वास्तविक मात्रा से अधिक मूल्यांकन कराए जाने की आशंका है। यदि यह आरोप सही हैं तो यह केवल पंचायत स्तर की गड़बड़ी नहीं बल्कि तकनीकी



चार साल बाद भी पूरा नहीं हुआ काम

मामले को और गंभीर बनाने वाला सवाल निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि करीब चार वर्ष बीत जाने के बाद भी इस कार्य को पूर्ण नहीं दर्शाया गया है। यदि किसी निर्माण पर लाखों रुपये खर्च हो चुके हैं तो उसकी प्रगति और पूर्णता का रिकॉर्ड स्पष्ट होना चाहिए। ऐसे में यह जांचना जरूरी है कि कार्य की वास्तविक भौतिक स्थिति क्या है और मनरेगा पोर्टल पर उसकी स्थिति क्या दर्ज है। यदि रिकॉर्ड और मौके की स्थिति में अंतर मिलता है तो जिम्मेदारी तय होना तय माना जा सकता है।



माप पुस्तिका को लेकर संशय बरकरार

पूरे मामले में माप पुस्तिका यानी एमबी को लेकर भी बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार निर्माण कार्य की माप पुस्तिका पंचायत के पास उपलब्ध नहीं है और निर्माण के समय से ही संबंधित उपयंत्रों के पास होने की बात सामने आई है। ग्राम पंचायत के तत्कालीन सचिव शिवदयाल काकोड़िया ने भी कथित रूप से बताया कि माप पुस्तिका उनके पास नहीं है और छिंदवाड़ा के बिल उपयंत्रों द्वारा लगाए गए हैं। सचिव के अनुसार उनका स्थानांतरण बोदल कछार पंचायत में हो गया है और चार्ज देते समय माप पुस्तिका उपयंत्रों के पास होने का उल्लेख किया जाएगा। अब सवाल यह है कि जिस निर्माण कार्य का रिकॉर्ड पंचायत से संबंधित है, उसकी मूल माप पुस्तिका आखिर किसके पास रही और उसके आधार पर भुगतान की प्रक्रिया कैसे आगे बढ़ी।

जमुनाढोंगा का 13 लाख का वी-फॉल बना बड़ा सवाल

देलाखारी सेक्टर की ग्राम पंचायत जमुना ढोंगा में आरईएस के तालाब पर लगभग 13 लाख रुपये की लागत से निर्मित बताए जा रहे वी-फॉल को लेकर सबसे ज्यादा सवाल उठ रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि यह निर्माण कार्य अपनी उपयोगिता को लेकर ही सवालों के घेरे में है। उनका आरोप है कि जिस निर्माण पर लाखों रुपये खर्च किए गए, उसकी वास्तविक जरूरत और उपयोगिता का समुचित परीक्षण नहीं किया गया। अब सवाल यह है कि आखिर इस वी-फॉल का निर्माण किस तकनीकी सर्वे के आधार पर प्रस्तावित किया गया? इसका एस्टीमेट किसने बनाया? तकनीकी स्वीकृति किस अधिकारी ने दी? निर्माण की माप किसने की? मूल्यांकन किस आधार पर हुआ और भुगतान से पहले स्थल का भौतिक सत्यापन किसने किया?इन सवालों के जवाब दस्तावेजों और मौके की जांच से ही सामने आ सकते हैं। बिल छिंदवाड़ा के सप्लायरों के, सामग्री पर सवाल।इस मामले में सबसे दिलचस्प पहलू निर्माण सामग्री के बिलों को लेकर सामने आया है। शिकायतकर्ताओं के मुताबिक मनरेगा पोर्टल पर अपलोड किए गए दस्तावेजों में छिंदवाड़ा के सप्लायरों से सामग्री खरीदी दर्शाई गई है। आरोप है कि कुछ बिलों में कंक्रीट के स्थान पर पत्थर फाड़ी जैसी सामग्री का उल्लेख है। यदि ऐसा है तो बिल में दर्ज सामग्री और मौके पर इस्तेमाल हुई सामग्री का मिलान करना जरूरी हो जाता है।यही नहीं, सप्लायरों के बिलों की जीएसटी जानकारी, बिल नंबर, भुगतान की तारीख, बैंक ट्रान्जिक्शन और वास्तविक आपूर्ति का रिकॉर्ड खंगाला जाए तो यह स्पष्ट हो सकता है कि सामग्री वास्तव में खरीदी और उपयोग की गई थी या केवल कागजों पर भुगतान का आधार तैयार किया गया।

मूल्यांकन और भुगतान की पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़ा करता है। इसी वजह

से शिकायतकर्ता अब मांग कर रहे हैं कि केवल कागजी जांच के

बजाय मौके पर भौतिक सत्यापन कराया जाए।

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►►छिंदवाड़ा

बिडुआ पुलिस ने प्रेम प्रसंग के चलते हुई युवक की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 31 जुलाई 2026 को ग्राम पुखराटोला निवासी 41 वर्षीय गाँविंद मरकाम ने सूचना दी थी कि उसके भाई धुरपत रैकवार (55) का शव संदिग्ध अवस्था में मिला है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने पर अपराध दर्ज किया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबि्र की सूचना के आधार पर आरोपियों से पूछताछ की। जांच में सामने आया कि मृतक का गांव की एक महिला से प्रेम संबंध था, जिसका आरोपियों ने विरोध किया। इसी रंजिश में 28 जुलाई की रात आरोपियों ने धुरपत रैकवार को शराब पिलाने के बहाने बुलाया। इसके बाद लोहे के सरिए



गोंडवाना ने मनाया गया स्व. मनमोहन शाह बट्टी का बलिदान दिवस

छिंदवाड़ा : स्व. मनमोहन शाह बट्टी के 02 अगस्त को बलिदान दिवस के अवसर पर पटेल मंगल भवन, पोला ग्राउण्ड, छिंदवाड़ा में समेलन/रैली का आयोजन किया गया । इस अवसर आज दोपहर पूर्व विधायक एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्व. मनमोहन शाह के बलिदान दिवस पर कार्यक्रम अध्यक्ष झमकलाल सरयाम द्वारा उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उपस्थित सगानजों द्वारा उन्हें भावभीनी श्रद्धांजली दी तत्पश्चात रैली के रूप में कलेक्टर कार्यक्रम पहुँचकर राज्यपाल के नाम जनहित की विभिन्न समस्याओं ग्रिया के लिए टोकन व्यवस्था बंद करने, उर्वरक खिलान उपलब्ध कराने, पेट्रोल-डीजल एवं गैस की कीमतें कम करने, नव भूमि में कृषो से काबिज आदिवासियों को पट्टे प्रदान किये होने, छिंदवाड़ा जिले के कन्हान नदी, दूधी नदी, शंकरर एवं हरदी नदी में आदिवासियों की जमीनों पर बड़े-बड़े बांध बनाये जाने की योजना निरस्त करने, गैर आदिवासियों को फर्जी रजिस्ट्री शून्य कर मूल मालिक को जमीन वापस दिलाने, आदिवासी क्षेत्रों के स्कूलों में शिक्षक, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं है।

धोतकी की अवैध प्लास्टिक दाना फैक्ट्री सील प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त कार्रवाई



हरिभूमि न्यूज़ ►►छिंदवाड़ा

ग्राम धोतकी स्थित गावडेस मध्य भारत आयुर्वेदिक हॉस्पिटल के पीछे संचालित एक अवैध प्लास्टिक दाना (ग्रेन्यूल) निर्माण इकाई पर रविवार को प्रशासन एवं मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री को सील कर दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई अस्पताल प्रबंधन द्वारा लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर की गई।

निरीक्षण के दौरान तहसीलदार को सौसर एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, छिंदवाड़ा की टीम ने पाया कि संबंधित इकाई बिना ग्राम सभा की

अनापत्ति एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संचालन स्वीकृति के प्लास्टिक दाना निर्माण का कार्य कर रही थी।

जांच में यह भी सामने आया कि फैक्ट्री में प्लास्टिक गलाने की प्रक्रिया से निकलने वाली तीव्र दुर्गंध और प्रदूषण के कारण अस्पताल में भर्ती मरीजों, कर्मचारियों तथा आसपास के रहवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अस्पताल से फैक्ट्री की दूरी लगभग 200 मीटर बताई गई है।संयुक्त टीम ने मौके पर ही फैक्ट्री को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान परिसर से क्रशर मशीन, डाई मशीन (हीटर) सहित भारी मात्रा में कचरा माल एवं अन्य सामग्री बरामद

हुई, जिसे जब्त कर लिया गया। सील किए गए परिसर की चाबी थाना प्रभारी को अभिरक्षा में सौंप दी गई है। कार्रवाई के दौरान प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी, शिकायतकर्ता एवं उद्योग प्रबंधन के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय मौन साधना प्रशिक्षण शिविर संपन्न

सौसर (सिविल लाइन) में पांडुरना और छिंदवाड़ा जिले का संयुक्त जिला स्तरीय मौन साधना प्रशिक्षण शिविर बड़े ही उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रच्वलन के साथ अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक: शंकर घोड़की,उपजोन प्रतिनिधि नरेंद्र हिगवरे,कन्या किशोर कौशल अभिवर्धन अभियान से अनिता राउत, छिंदवाड़ा सह समन्वयक अरुण पाराडकर,योगिराज वानोडे, प्रबंध ट्रस्टी शिवाजी ठाकरे, नितिन बोडे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

आधुनिक पीपीएच कैन्थुला तकनीक से बची दो माताओं की जान

जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों की तत्परता और कुशल उपचार से मिली नई जिंदगी

हरिभूमि न्यूज़ ►►छिंदवाड़ा

जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा में चिकित्सकीय दक्षता, त्वरित निर्णय क्षमता एवं आधुनिक उपचार तकनीकों के प्रभावी उपयोग से मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में एक उल्लेखनीय सफलता दर्ज की गई है। हेमरंजक रक्तस्राव (पोस्ट पार्टम हेमरेज-पीपीएच) से जूझ रही दो गंभीर मरीजों का सफल उपचार कर चिकित्सकों ने न केवल उनके प्राणों की रक्षा की, बल्कि संभावित जटिल सर्जिकल हस्तक्षेपों से भी उन्हें सुरक्षित रखा। स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपी महाजन एवं उनकी टीम द्वारा पीपीएच कैन्थुला तकनीक के सफल उपयोग से प्राप्त यह उपलब्धि जिला



चिकित्सालय में उपलब्ध गुणवत्तापूर्ण एवं जीवनरक्षक स्वास्थ्य सेवाओं का उत्कृष्ट उदाहरण है। जिला चिकित्सालय में भर्ती श्रीमती चांदनी भूपेंद्र वर्मा को गर्भस्थ शिशु में संकट की स्थिति उत्पन्न होने पर आपातकालीन सिजेरियन ऑपरेशन (एलएससीएस) किया गया। ऑपरेशन के उपरांत उन्हें एंटीनैक पीपीएच की

गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ा, जिसमें गर्भाशय का संकुचन नहीं होने के कारण अत्यधिक रक्तस्राव शुरू हो गया। चिकित्सकीय टीम द्वारा आवश्यक दवाओं एवं पारंपरिक उपचार पद्धतियों का उपयोग किए जाने के बावजूद रक्तस्राव नियंत्रित नहीं हो सका। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉ. दीपी महाजन द्वारा तत्काल पीपीएच कैन्थुला तकनीक का उपयोग किया गया। गर्भाशय में वैक्यूम प्रेशर निर्मित होने के बाद गर्भाशय का संकुचन पुनः स्थापित हुआ और रक्तस्राव पूरी तरह नियंत्रित हो गया। समय पर किए गए इस उपचार से मरीज की स्थिति शीघ्र सामान्य हो गई।

हरिभूमि न्यूज़ ►►छिंदवाड़ा

सांसद विवेक बंटी साहू के प्रयासों के बाद अब पालाचौरई रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाई जाएगी। मध्यरेल नागपुर मंडल द्वारा पालाचौरई रेलवे स्टेशन का कार्य स्वीकृत कर दिया गया है। अब जल्द ही शासकीय प्रक्रिया पूर्ण होते ही पालाचौरई रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ जाने से यात्रियों को ट्रेनों में आवागमन करने में सुविधाओं हो सकेंगी। प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य स्वीकृत किए जाने पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और यात्रियों ने



सांसद बंटी विवेक साहू का आभार व्यक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि सांसद बंटी विवेक साहू के प्रयासों के बाद अब पालाचौरई रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने का बहुप्रतीक्षित कार्य अब जल्द शुरू होने जा रहा है। यह कार्य मध्यरेल नागपुर मंडल द्वारा स्वीकृत कर दिया गया है।

इस महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी दिलाने में सांसद बंटी विवेक साहू की लगातार पहल और प्रयासों की अहम भूमिका रही है। सांसद श्री साहू ने रेलवे की मंडल स्तर की नागपुर में आयोजित बैठकों में लगातार पालाचौरई रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने की मांग रखी थी, साथ ही रेलवे के अधिकारियों को भी प्रत्र प्रेषित किए थे।

सांसद बंटी विवेक साहू के लगातार किए गए प्रयासों का ही परिणाम है कि मध्यरेल नागपुर मंडल द्वारा उक्त कार्य की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी ने प्लेटफॉर्म की

ऊंचाई बढ़ाने के कार्य को स्वीकृति प्रदान कर दी है। वर्तमान में निर्माण कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया प्रगति पर है। प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

विदित हो कि पालाचौरई रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की ऊंचाई कम होने के कारण यात्रियों, विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को ट्रेनों में चढ़ने-उतरने में काफी परेशानी होती थी। सांसद विवेक बंटी साहू के प्रयासों के बाद अब प्लेटफॉर्म ऊंचा होने के बाद यात्रियों को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा। यह मांग क्षेत्र के लोगों द्वारा लंबे समय से उठाई जा रही थी। सांसद बंटी विवेक साहू के इस

प्रयास को क्षेत्र में सराहना की जा रही है। पालाचौरई रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य स्वीकृत होने से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल देगा जा रहा है।

मीडिया प्रभारी भूपेंद्र साहू ने भी रखी थी मांग

उल्लेखनीय है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में सांसद बंटी विवेक साहू एवं सहूल रेलवे के डीआरएम को भाजपा नगर मंडल जुन्नारदेव के मीडिया प्रभारी भूपेंद्र साहू द्वारा क्षेत्र की रेल सुविधाओं से संबंधित महत्वपूर्ण मांगों का आवेदन सौंपा गया।

खबर संक्षेप

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की अध्यक्षता में 4 अगस्त को धनौरा में होगी विशेष जनसुनवाई

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले के दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों की समस्याओं का उनके क्षेत्र में ही त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की अध्यक्षता में 4 अगस्त (मंगलवार) को प्रातः 11 बजे जनपद पंचायत धनौरा में विशेष जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। इस विशेष जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे और आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित करेंगे। विशेष जनसुनवाई का उद्देश्य दूरस्थ अंचलों के नागरिकों को जिला मुख्यालय तक आने की आवश्यकता कम करना तथा शासन की जनकल्याणकारी सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध करना है। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी समस्या से संबंधित आवेदन एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय पर जनपद पंचायत धनौरा पहुंचकर विशेष जनसुनवाई का लाभ उठाएं।

1 जून से अब तक जिले में 508.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले में मानसून की गतिविधियां जारी हैं। भू-संसाधन प्रबंधन कार्यालय द्वारा जारी दैनिक वर्षा प्रतिवेदन के अनुसार 01 जून से 02 अगस्त 2026 तक जिले में 5०8.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। वहीं 02 अगस्त को जिले में 3.0 मिमी औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई। प्रतिवेदन के अनुसार 02 अगस्त को सिवनी तहसील में सर्वाधिक 14.० मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त कुरई में 7.० मिमी, धनोरा में 6.० मिमी, छपरा में 2.0 मिमी तथा बरघाट में 1.2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। केवलारी, लखनादौन एवं घंसीर में वर्षा दर्ज नहीं की गई। 01 जून से 02 अगस्त तक हुई संचयी वर्षा के अनुसार सिवनी में 655.० मिमी, बरघाट में 616.7 मिमी, केवलारी में 533.० मिमी, लखनादौन में 533.7 मिमी, कुरई में 497.6 मिमी, धनोरा में 467.5 मिमी, छपरा में 431.5 मिमी तथा घंसीर में 333.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक कुल ४०68.2 मिमी वर्षा तथा 5०8.5 मिमी औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। पिछले वर्ष इन्सी अर्वाधि तक जिले में 729.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई थी।

शिक्षक कांग्रेस जिला शाखा की बैठक संपन्न

सिवनी। शिक्षक कांग्रेस जिला शाखा की बैठक आज नटराज होटल में संपन्न हुई। बैठक में शिक्षकों को वीथी कमन्वेलि वेटनमान में विलंब पर चर्चा हुई। विलंब का कारण शासन द्वारा निर्देशित पदोन्नति सूची, स्थानांतरण एवं अतिथि शिक्षकों की भर्ती आदि कार्यों को पहले प्राथमिकता देना है। इन कार्यों में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी की व्यस्तता अधिक है।

सेवा निवृति पर सम्मान समारोह आयोजित

कान्हीवाड़। शिक्षक राजकुमार साहू की सेवा निवृति पर शासकीय माध्यमिक शाला चुटुका के विद्याल मंच में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें शाला स्टाफ के अलावा आसपास के शिक्षक, सरपंच जनप्रतिनिधियों, संकुल केन्द्र कान्हीवाड़आ जन शिक्षक और क्षेत्रीय नेता नईम खान की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सभी 62 वर्ष की उम्र पूर्ण कर चुके, ४० वर्ष की सेवा का गहन अनुभव रखने वाले शिक्षक राजकुमार साहू की भुरि भुरि प्रशंसा की। ज्ञात हो कि आपने अपनी 1० साल की जन शिक्षक के पद पर रहते हुए कान्हीवाड़ में भी सरहनीय कार्य किया है। जिसे लोग हमेशा याद रखेंगे।

पहला पीला दूध शिशु के लिए मृत, को दूध ही है जीवन की पहली डाल

विश्व स्तनपाय सप्ताह पर छपरा स्वास्थ्य केन्द्र में माताओं को दिए गए स्वास्थ्य भविष्य के मंत्र छपरा। विश्व स्तनपाय सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छपरा के पाँचनसी वार्ड में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बी.एम.ओ डॉ. टी.एस. इम्वती के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में नवप्रसूता माताओं और उनके परिजनो को स्तनपाय के महत्व, सही तकनीक और शिशु के बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को स्तनपाय करना उसके जीवन की मजबूत शुरुआत होती है।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, परिजनों और ग्रामीणों ने शव रखकर किया चक्काजाम



सिवनी जिले के पलारी चौकी क्षेत्र के ग्राम पलारी में 24 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार सुबह युवक का शव उसके घर में फांसी के फंदे से लटका मिला। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने ग्राम के ही आवेद खान पर गंभीर आरोप लगाते हुए दोपहर करीब 1 बजे पलारी-धनोरा मार्ग पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया।

मृतक की पहचान पलारी निवासी बिट्टी उर्फ घनश्याम डेहरिया (24) के रूप में हुई है। सुबह घर के कमरे में उसका शव फांसी के फंदे पर मिला। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। परिजनों का आरोप है कि कुछ दिन पहले आवेद खान नामक युवक से उसका विवाद हुआ था। इस दौरान उसके साथ मारपीट भी की गई थी। परिजनों के अनुसार, इसी घटना के बाद युवक मानसिक तनाव में था और आवेद खान द्वारा लगातार प्रताड़ित किए जाने के कारण उसने यह कदम उठाया। परिजनों ने संबंधित व्यक्ति



के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही पलारी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। चौकी प्रभारी संजय दीक्षित ने बताया कि प्रथम दृष्टया युवक की मौत फांसी लगाने से हुई है। परिजनों ने

गांव के एक युवक को प्रताड़ित करने और मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार, एक दिन पहले दोनों के बीच विवाद होने की बात भी सामने आई है। युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसका स्पष्ट कारण जांच

और साक्ष्यों के आधार पर ही सामने आएगा।

पुलिस ने दिया निष्पक्ष जांच का आश्वासन

चक्काजाम की सूचना पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों और ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हें समझाया। अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद स्थिति सामान्य हो रही है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है तथा विवाद, मारपीट और अन्य पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, परिजनों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

भर्ती में कथित खेल? ईपीएफ-ईएसआईसी पर सवाल.. जांच में कौन होगा बेनकाब

सरकारी पत्र, निजी एजेंसी और भर्ती विवाद: आखिर किसके संरक्षण में चलता रहा पूरा खेल? जांच अब सिर्फ औपचारिकता नहीं, जवाबदेही की सबसे बड़ी परीक्षा

मुकेश साहू। लखनादौन। स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्स भर्ती से जुड़ा विवाद लगातार गहराता जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं, बिना व्यापक विल्लापन के नियुक्तियों, ईपीएफ-ईएसआईसी से जुड़े आरोपों और अब एक सरकारी अधिकारी द्वारा निजी एजेंसी के प्रबंधक के पक्ष में लिखे गए पत्र को लेकर कई नए सवाल खड़े हो गए हैं। इन घटनाक्रमों ने पूरे मामले को केवल प्रशासनिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि यह चर्चा का विषय बन गया है कि आखिर किस आधार पर एक निजी एजेंसी को इतना विशेष महत्व दिया गया।

मामले में सामने आए दस्तावेजों के अनुसार तत्कालीन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएसएचओ) द्वारा संबंधित अधिकारियों को एक पत्र जारी किया गया था, जिसमें एक निजी एजेंसी के प्रबंधक को कार्य उपलब्ध कराने के संबंध में निर्देश या अनुशंसा जैसी बात सामने आई। यदि यह पत्र वास्तविक है, तो सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या किसी सरकारी अधिकारी का दायित्व किसी विशेष निजी एजेंसी के लिए इस प्रकार का पत्र जारी करना है? यदि नहीं, तो फिर ऐसा क्यों किया गया? यही वह बिंदु है जिसने पूरे मामले को और अधिक गंभीर बना दिया है। क्योंकि जिस एजेंसी को लेकर पहले से भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के आरोप लग रहे हैं, उसी एजेंसी के पक्ष में सरकारी स्तर पर पत्राचार होना स्वामाविक रूप से सवालों को जन्म देता है। प्रशासनिक निष्णों में निष्पक्षता सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है। यदि किसी एक एजेंसी को विशेष प्राथमिकता मिलती दिखाई दे, तो अन्य एजेंसियों और बेरोजगार युवाओं के मन में संदेह उत्पन्न होना स्वाभाविक है। भर्ती प्रक्रिया को लेकर पहले भी आरोप लगाए गए कि कई पदों पर पारदर्शी विल्लापन जारी नहीं किए गए। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा रही कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष नहीं थी। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी, लेकिन जब ऐसे आरोपों के बीच सरकारी पत्र सामने आते हैं, तो पूरा घटनाक्रम और अधिक संदेह के घेरे में आ जाता है।

इसी मामले में ईपीएफ और ईएसआईसी से जुड़े आरोप भी लगातार उठते रहे हैं। यदि कर्मचारियों के वेतन से संबंधित वैधानिक अंशदान समय पर जमा नहीं हुआ या उसमें किसी प्रकार की गड़बड़ी हुई, तो यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं



बल्कि श्रमिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय बन जाता है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना आवश्यक होता है ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो। स्वास्थ्य विभाग जैसी संवेदनशील व्यवस्था में नियुक्तियां पूरी पारदर्शिता के साथ होना आवश्यक है। यहां नियुक्त प्रत्येक कर्मचारी सीधे जनता की स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ा होता है। यदि भर्ती प्रक्रिया पर ही सवाल खड़े होने लगे, तो पूरे विभाग की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। यही कारण है कि अब इस मामले की जांच को लेकर लोगों की निगाहें संबंधित अधिकारियों पर टिकी हुई हैं।

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी है कि इस पूरे घटनाक्रम के पीछे कुछ प्रभावशाली लोगों का संरक्षण रहा। हालांकि अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और न ही किसी व्यक्ति की भूमिका जांच में स्थापित हुई है। इसलिए इन चर्चाओं

को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। लेकिन यदि जांच में ऐसे किसी संरक्षण के प्रमाण मिलते हैं, तो कार्रवाई केवल एजेंसी या कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उन सभी लोगों तक पहुंचनी चाहिए जिन्होंने नियमों की अनदेखी की हो। सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि यदि किसी अधिकारी ने नियमों से हटकर कोई पत्र जारी किया, तो उस समय उसकी वैधानिक आवश्यकता क्या थी? क्या संबंधित विभागीय नियम इसकी अनुमति देते थे? क्या उस नियम की फाइल पर सक्षम स्तर की स्वीकृति थी? क्या अन्य एजेंसियों की भी समान अवसर दिया गया था? ऐसे कई प्रश्न हैं जिनका उत्तर केवल निष्पक्ष जांच ही दे सकती है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि जांच केवल कामजी औपचारिकता बनकर न रह जाए। कई मामलों में देखा गया है कि प्रारंभिक जांच के बाद विषय धीरे-धीरे ठंडे बस्ते में चला जाता है। लेकिन यदि इस मामले में वास्तव में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है, तो जनता को यह जानने का अधिकार है कि जिम्मेदार कौन थे और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। यदि जांच में आरोप गलत साबित होते हैं, तो संबंधित लोगों को भी स्पष्ट रूप से वलीन चिट मिलनी चाहिए। वहीं यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो दोषियों पर नियमानुसार कार्रवाई होना लोकतांत्रिक व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए आवश्यक है।

फिलहाल सबसे बड़ी जरूरत निष्पक्ष, पारदर्शी और तथ्य आधारित जांच की है। जांच का उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि सच्चाई सामने लाना होना चाहिए। यही कारण है कि अब लोगों की नजर केवल भर्ती पर नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र पर है जिसने इस प्रक्रिया को संचालित किया। अब सवाल सिर्फ इतना नहीं कि भर्ती में क्या हुआ, बल्कि यह है कि यदि नियमों से समझौता हुआ, तो उसका जिम्मेदार कौन था? क्या जिले केवल छोटे कर्मचारियों तक सीमित रहेगी, या फिर नियम लेने वाले अधिकारी, एजेंसी संचालक और यदि किसी अन्य प्रभावशाली व्यक्ति की भूमिका सामने आती है, तो उन तक भी कार्रवाई पहुंचेगी? आने वाले दिनों में जांच की दिशा ही तय करेगी कि यह मामला सिर्फ चर्चा बनकर रह जाएगा या फिर प्रशासनिक जवाबदेही का एक बड़ा उदाहरण बनेगा।

कलेक्टर की पहल से लगा वृहद अनुकंपा नियुक्ति शिविर

धरना-प्रदर्शन एवं भीड एकत्रित करने पर प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज►►सिवनी।

कलेक्टर एवं जिला दण्डीधिकारी सिवनी के निदेशानुसार अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी करते हुए कलेक्ट्रेट परिसर एवं उसके 100 मीटर की परिधि में आगामी दो माह तक प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार कलेक्ट्रेट परिसर के 100 मीटर के दायरे में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर प्रतिबंध रहेगा। परिसर में किसी भी प्रकार का धरना, प्रदर्शन, जुलूस अथवा रैली आयोजित नहीं की जा सकेगी। बिना पूर्व अनुमति कोई भी व्यक्ति ज्ञापन देने अथवा कलेक्ट्रेट परिसर में प्रवेश नहीं कर सकेगा। साथ ही लाठी, डंडा या अन्य घातक हथियार लेकर परिसर में प्रवेश करना भी प्रतिबंधित रहेगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि ज्ञापन देने के इच्छुक व्यक्तियों को पूर्व में अनुविभागीय दण्डीधिकारी अथवा कार्यपालक दण्डीधिकारी को सूचना देनी होगी। अनुमति



मिलने पर भी केवल अधिकृत प्रतिनिधि ही ज्ञापन प्रस्तुत कर सकेंगे तथा भीड़ को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। कलेक्ट्रेट परिसर अथवा उसके आसपास यातायात बाधित करने, सड़क जाम करने या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर भी रोक रहेगी। प्रशासन ने बताया कि यह आदेश शासकीय कार्यों के सुचारु संचालन, आमजन की सुविधा तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जारी किया गया है। यह आदेश 01 अगस्त 2026 से आगामी दो माह तक प्रभावशील रहेगा।

बाइक और साइकिल की आगने-सामने टक्कर में दो लोग घायल

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले के घंसीर में देर रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप बाइक और साइकिल की आमने-सामने टक्कर में दो लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद एक घायल को गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। पुलिस ने मामले का तुरंत जांच कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसा शनिवार देर रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसीर के समीप हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक और साइकिल की आमने-सामने भिड़ंत के बाद दोनों सवार सड़क पर गिर गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।



खबर संक्षेप

कथित प्रताड़ना से आहत
होकर 40 वर्षीय युवक ने
लगाई फांसी

पंथी। कथित प्रताड़न से परेशान होकर एक 40 वर्षीय युवक ने अपने ही घर में फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना कटंगी थाना मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 03 की है। मुक्त की पहचान केशव निर्मलकर के रूप में हुई है। मिली जानकारी अनुसार वह घटना 1 अगस्त 2026 को दोपहर 12 बजे से साढ़े 4 बजे के बीच हुई। केशव की पहचान निर्मलकर के नाम में करीब साढ़े 4 बजे घर पहुँचने पर पति को फाँसी के फंदे पर लटका देखा। आना-जानने में पुलिस को सूचना दी गई। केशव निर्मलकर मूलतः नागपुर के निवासी थे। करीब 9 वर्षों से वे कटंगी में स्वतंत्र राहंगडाले के घर में किराए पर अपनी पत्नी वंदना और एक पुत्री के साथ जीवन यापन कर रहे थे। वंदना ने बताया कि कटंगी आने के बाद केशव ने खरबसे पैसे को कपड़े-सी का काम शुरू किया था। लेकिन बढ़ती महंगाई और स्वास्थ्य संबंधी खर्चों के कारण आमदनी कम पड़ने लगी। इसके बाद उन्होंने साँदीपनि स्कूल के पास गुप्पुप का ठेला लगाया शुरू किया। कुछ दिन पहले स्कूल प्रबंधन ने ठेला हटाने के लिए कहा। इसके बाद केशव ने अपनी स्त्री को दुकान के पास ही गुप्पुप का ठेला लगा लिया। इसी बात को लेकर भगत भैया उर्फ महेश भगत से उनका विवाद शुरू हो गया। वंदना का आरोप है कि बीते 20 दिनों से महेश भगत आए दिन केशव से विवाद करते थे और ठेला न लगाने का दबाव बनाते थे। वंदना के अनुसार शनिवार 1 अगस्त को सुबह 9 बजे भी इसी बात को लेकर विवाद हुआ।

रेखाना होकर वंदना ने कानून का सेशन लेते हुए डाइज 112 में कॉल किया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। वंदना का गंभीर आरोप कि कि ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मचारियों ने विवाह सुलझाने के बजाय उन्हे पति केशव को ही डांट-फटकार लगाई। साथ ही महेश भगत से कहा कि वे केशव को वहां ठेला न लगाने दें। वंदना का कहना है कि पुलिस और भगत की फटकार से केशव मानसिक रूप से टूट गए थे। इसी आघात के चलते उन्होंने दोपहर में घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वंदना ने प्रशासन से न्याय की मांग की है। उनका कहना है कि उनके पति को बेवजह रहते पुर्तुगल दिया गया। वही समय वहां पुलिस उचित कार्रवाई करती तो यह घटना नहीं होती। उन्होंने दोषियों पर कार्रवाई और परिवार को लिख मुआवजे की मांग की है। रविवार सुबह 11 बजे शज का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिवार को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस कर्मचारियों पर लग रहे आरोप को लेकर थाना प्रभारी धर्मेन्द्र कुमराम से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है।

प्रधानमंत्री में हुआ 'न

बालाघाट

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों, स्वयंसेवकों एवं प्राध्यापकों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सजीव प्रसारण देखा और

बाल-बाल बचे चालक और परिचालक, आवागमन हुआ प्रभावित

खिड़कीघाट में दो ट्रक पलटे

कटंगी-सिवनी मुख्य सड़क मार्ग पर स्थित खिड़कीघाट रविवार को दो बड़े हादसों का गवाह बना। यहाँ अलग-अलग कार्रणों से दो ट्रक पलट गए। गनीमत रही कि दोनों हादसों में चालक और परिचालक को गंभीर चोट नहीं आई और वह बाल-बाल बच गए। हालाँकि सड़क पर ट्रक पलटने से करीब 4 घंटे तक आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोहरा से पहले खिड़कीघाट की घुमावदार सड़क पर एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गहरी खाई की तरफ पलट गया। ट्रक में धान भरा हुआ था। तेज दलान और मोड़ के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। हादसे के बाद आसपास के लोग और अन्य वाहन चालक मौके पर पहुँचे। ट्रक चालक-परिचालक को मामूली चोटें आईं और उन्हें स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया। पहले हादसे के कुछ

देर बाद ही दोपहर करीब 01 बजे दूसरा हादसा हो गया। ट्रक क्रमांक एमएचएच 40 सीडी 9926 छिंदवाड़ा से टाइटल लेकर बालाघाटा की ओर जा रहा था। जैसे ही ट्रक खिड़कीघे पहुँचा, अचानक उसका टायर फट गया। संतुलन बिगड़ने से ट्रक बीच-बीच सड़क पर ही पलट गया। ट्रक में सवार चालक इमरान पिता जाबिद खान, उम्र 35 वर्ष और परिचालक राजकुमार पिता कांताप्रसाद चंद्रवंशी उम्र 27 वर्ष, दोनों निवासी छिंदवाड़ा, केबिन में फंस गए। हादसा देखकर राहगीरों ने तुरंत मदद की और दोनों को बाहर निकाला। इसके बाद डायल 112 पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कटंगी पुलिस घटनास्थल पर पहुँची। आरक्षक निवेश बघेल, पाण्डेला अजय गिरी और रुचिन रायखंडाळे ने घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सरकारी अस्पताल कटंगी में भर्ती करवाया। अस्पताल के अनुसार दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है। सड़क के बीच ट्रक पलट जाने और खाई में गिरे ट्रक के कारण

कटंगी-सिवनी मार्ग पर बड़े वाहनों को आवागमन में कठिनाईयों की सामना करना पड़ा। शाम करीब 05 बजे यातायात सामान्य हो सका। बता दें कि खिड़कीघाट में आए दिन इस तरह के हादसे होते रहते हैं। घुमावदार मोड़, तेज ढलान, सड़क के किनारे सुखाई जाने वाली के क्षतिग्रस्त होने और ओवरलैड वाहनों के कारण दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। बारिश के मौसम में सड़क फिसलन भारी हो जाती है, जिससे हादसों का खतरा और बढ़ जाता है। खिड़कीघाट में प्लाई ओवर बनाने की मांग का कुछ दिनों समय से की जा रही है। कछु साल पहले इसकी स्वीकृति होने की चर्चा भी खूब चलती किंतु अब मामला फिर ठंडे बस्ते में चले गया है। फिलहाल दोनों धौल यातायात का इलाज जारी है और यातायात सामान्य रूप से चल रहा है। लेकिन खिड़कीघाट की खरनाक स्थिति को लेकर लोगों में नाराजगी बनी हुई है।

का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा
मुवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी
है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे, प्राध्यापकगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं, जिले

के छात्र-छात्राएं, नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) के प्रतिनिधि तथा MY Bharat के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई और उन्हें नशामुक्त भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही सभी उपस्थित जनों ने सामूहिक रूप से 'नशा मुक्त भारत' की शपथ ग्रहण कर अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को नशे के खिलाफ जागृक करने का संकल्प लिया। युवाओं को MY Bharat पोर्टल के माध्यम से "नशा मुक्त संकल्प" अभियान से जुड़ने के लिए भी प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दुलेश्वरी टेंभर एवं प्रो. सुखचंद एडे ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ राष्ट्रहित एवं समाजहित में 'नशा मुक्त युवा - विकसित भारत' के संकल्प को दोहराया गया।

महाविद्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम युवाओं में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा केंद्र सरकार के राष्ट्रीय अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल साबित हुआ।

भटेरा में अवैध रेत परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

बालाघाट

जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने रविवार सुबह संयुक्त छापामार कार्रवाई की। जिला खनिज शाखा, तहसील बालाघाट, लामता एवं लालबर्वा के खनिज अमले ने पुलिस बल के साथ मिलकर यह कार्रवाई की।

कारवाई के दौरान तहसील बालाघाट के ग्राम भटेरा से अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गई। सभी वाहनों को जब्त कर सुरक्षा की दृष्टि से कलेक्टर कार्यालय (खनिज शाखा), बालाघाट परिसर में रखा गया है। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि वाहन चालकों ने पछतावा में बताया



कि रेत ग्राम भटेरा से भरकर विक्रय के उद्देश्य से लाई जा रही थी। मामले में संबंधित वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन

परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध

खनन और खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध आगे भी लगातार संयुक्त अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सोई हुई महिला को घर में घुसकर बाघ
ने खींचा, हुई मौत ग्रामीणों में आक्रोश



हरिभूमि न्यूज बालाघाट ।

जिले के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां घर में सो रही एक बैगा समुदाय की महिला को बलाघ ने घर से उठाकर अपना शिकार बना डाला, जिसके बाद ग्राम में दहशत का माहौल है, वहीं विभाग के प्रति लोगों में भारी आक्रोश भी देखने मिला। जिन्होंने पीएम के बाद शव एम्बुलेंस से उठाकर से बना करते हुए जमकर विरोध जताया।

जिले की आदिवासी बाहुल्य परसबादत तहसील अदरगँठ आने परसबादत गाम पंचायत कुमादेही प्रतिपुर्षु निवासी सुगनाबाई प्रतिपुर्षु बुधराम धुर्वे उग्र तकरिबन 55 वर्ष, नजी बीती रात्रि अपने घर मे अपनी नानी पोती के साथ रो रही थी, वहीं पोता के अपन घर मे अपनी पोतास मे उसका प्रति बी सोया था, तभी तकरिबन 1 बजे आचानक बाघ घुसकर उसे घसीटता हुआ 50 मीटर तक खेतों में ले जाये, जैसे ही बाघ महिला को अपने जबड़े दबाकर खींचता हुआ ले जाने लगा,

तभी पास ही सोये उसके पतिपत्नी
बुधशरम ने शोर मचाया, जिसके बाद
शोर सुनकर माया ही घर में सो रहा
उसका बेटा दौड़कर आया, जिसके
बाद उसने टोच की रोशनी में देखा
कि बाप उसकी माँ को घसीटता ले
जा रहा है, वह बचाने दौड़ा, शोर
मचाने लगा, तभी बाप झपटा को
हल्लाओ उसके बेटे की ओर
हालांकि वह किसी तरह वहाँ से
भाग निकला। शोर सुनकर ग्रामीण
भी मौके पर पहुँच गए, जिसके बाद
ग्रामीणों का हुजूम देखकर बाप
महिला को छोड़कर जंगल की ओर
भाग निकला। इधर बाप के हमले से
महिला गम्भीर रूप से घायल हो गई,
पूरा शरीर लहलुहा हो गया, और
बाप ने इस तरह हमला किया था कि
कुछ जगहों पर उसके सिर की
हड्डियाँ बिखरी मिली। ग्रामीणों ने
तत्काल 108 की मदद से गम्भीर
घायल महिला को उपचारार्थ बैर
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया,
किन्तु बाप के द्वारा महिला को
गम्भीर चोट पहुँची, जिससे इलाज
के दौरान उसकी मौत हो गई। सुबह
पीएम के बाद शव को वापस गाँव

लया गया, जहाँ विभागीय अमला भी पहुँचा, इस दौरान ग्रामीणों के भारी आक्रोश का विभागीय अमले को सामना करना पड़ा।

इस दौरान लोगों का कहना रहा कि बीते एक साल से ग्रामीणजन बाघ के आतंक से परेशान हैं। कभी किसी के घर से पालतू मवेशियों के शिकार, कभी कुत्तों का तो कभी मुर्गे मुर्गियाँ उठाकर भाग जाता है, जिसके बाद से लगाना विभागीय अमले को सूचित किया जाता रहा किन्तु किसी प्रकार से कोई ध्यान नहीं दिया गया, जिसके कारण आज यह दुखद घटना घटित हो गई।

वहाँ लोगों ने बताया कि इस क्षेत्र में यह चौथी घटना है, जिसमें बाघ द्वारा ग्रामीणों को अपना शिकार बना लिया गया है। लोगों ने बताया कि बीते 14 जून को बफरजोन में कार्यरत एक फायर वाचर को बाघ ने अपना शिकार बना लिया था।

गौरतलब हो कि यह गांव कान्हा टाइगर रिजर्व के बफरजोन क्षेत्र में आता है। ग्राम पर्रापुर के आसपास कान्हा बफरजोन का गहन

जंगल है, इसलिये अक्सर यहां वन्यजीवों की आवाजाही बनी रहती है। किंतु लोगों का आरोप रहा कि बफरजोन के जंगल में फेंसिंग व्यवस्था नहीं होने के कारण जंगली जानवर गांवों में घुस आते हैं।

आज घटित घटना के बाद लोगों का भारी आक्रोश देखने मिला, जिन्होंने विभागीय अमले पर गम्भीर आरोप लगाते हुए भारी विरोध किया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य तमेश्वर पटेल मौके पर पहुँचे, उन्होंने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, और विभागीय अमले से कहा कि लोगों की नाराजगी जायज है। विभागीय अमले को ग्रामीणों की समस्याओं का यथासंभव निराकरण करना चाहिये, और शासन के दिशा निर्देशों के अनुसार उन्हें आर्थिक मदद भी करनी चाहिये।

वहीं जनपद अध्यक्ष समलसिंह धुर्वे भी मौके पर पहुँचे, जिन्होंने प्रामाणों की ओर से उनकी माँग को विभागीय की सामने रखा, और कहा कि परिजनों की माँग अनुसार पीड़ित परिवार का एक सदस्य को सरकारी नौकरी, तत्काल क्रिया कर्म के लिए आर्थिक मदद, जंगल के आपसपास लैंडना उन्मूलन कर साफ किया जाए, आलू अलवा आरामखोर हो चले बाघ को पकड़कर यहाँ से दूसरी जगह ले जाया जाए। ताकि लोगों में जो दहशत का माहौल है वह समाप्त हो सके। इधर विभाग द्वारा लोगों की माँगों को जायज ठहराते हुए शीघ्र उन्हें पूरा किये जाने का आश्वासन दिया है।

संग्रहालय टीम ने तिरोड़ी और चाकाहेटी का किया निरीक्षण

कटंगी ।

इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट की टीम ने रविवार को तिरोड़ी तहसील क्षेत्र के दो ऐतिहासिक स्थलों का निरीक्षण किया। टीम ने पाया कि 10वीं से 16वीं शताब्दी की प्राचीन प्रतिमाएं देखरेख के अभाव में लगातार क्षतिग्रस्त हो रही हैं। यदि समय रहते संरक्षण के प्रयास नहीं हुए तो इन धरोहरों का अस्तित्व ही मिट जाएगा।

चोरी के बड़े राज

वारासिवनी। एक सप्ताह पूर्व का है।
नगर के वॉर्ड नंबर 14 गंगोत्री कॉलोनी
स्थित आरएसएस भवन के बाजू में स्थित
काका समाज के सामुदायिक भवन में
चोरी करी दुसरे दो नाबालिग बच्चों को
मोहल्लेवारियों के रंगे हाथों पकड़ लिया
था। उन दोनों ही नाबालिग बच्चों के पास
से बिजली फिटिंग के तार खिड़की के
लोहे के पल्ले सहित गैल वेट का लोहा
भी बरामद किया गया था।

